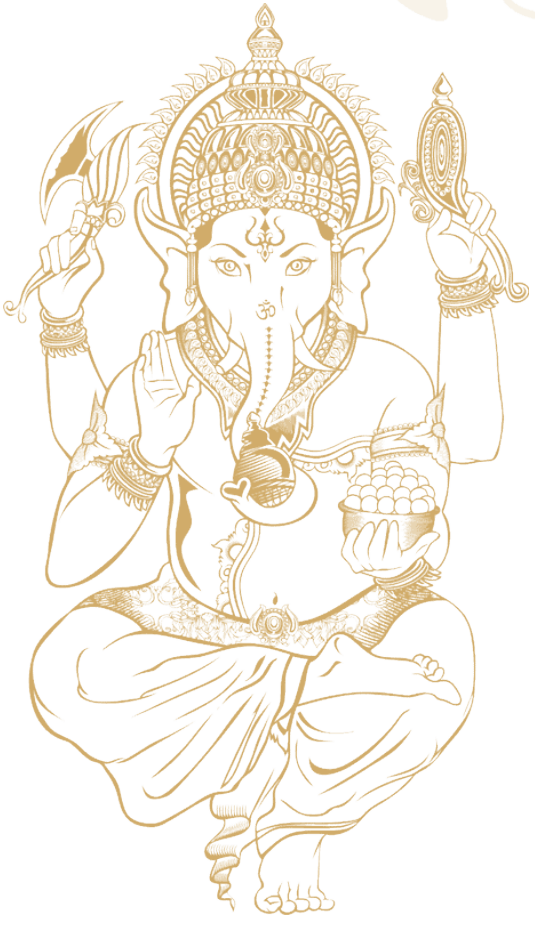

Dhirendra s r

01 Oct 1976

07:04 AM

Sojat Road

Model: web-freekundliweb

Order No: 121900702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/10/1976**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:04:00 घंटे**
इष्ट	01:32:17 घटी
स्थान	**Sojat Road**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:48:00 उत्तर
रेखांश	73:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:29:16 घंटे
वेलान्तर	00:10:19 घंटे
साम्पातिक काल	07:08:56 घंटे
सूर्योदय	06:27:05 घंटे
सूर्यास्त	18:21:21 घंटे
दिनमान	11:54:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:28:13 कन्या
लग्न के अंश	21:57:41 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शोभन
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फारुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	21:57:41	323:13:10	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	14:28:13	00:59:00	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	सम राशि
चंद्र			धनु	21:58:17	13:25:12	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल		अ	तुला	01:13:26	00:40:13	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध	व		सिंह	29:36:47	00:01:03	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	07:27:29	00:02:16	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	12:27:06	01:13:28	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			कर्क	20:26:58	00:05:34	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	10:18:48	00:00:13	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	10:18:48	00:00:13	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष			तुला	12:08:10	00:03:26	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
नेप			वृश्चि	18:04:10	00:01:14	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो			कन्या	17:55:04	00:02:21	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव			मिथु	22:21:03	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:06

लग्न-चलित

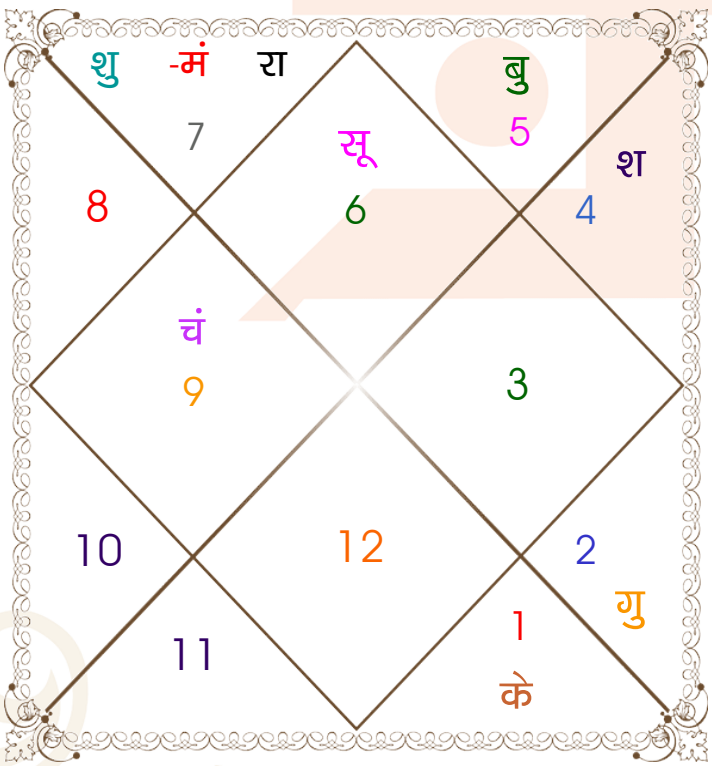

चन्द्र कुंडली

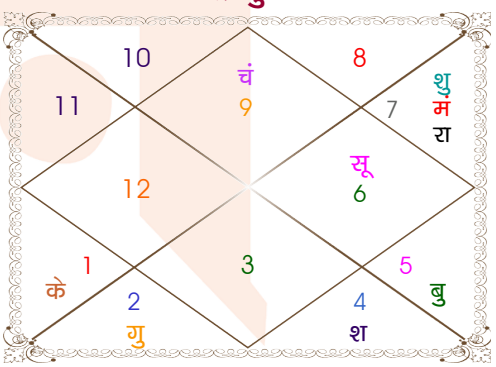

नवमांश कुंडली

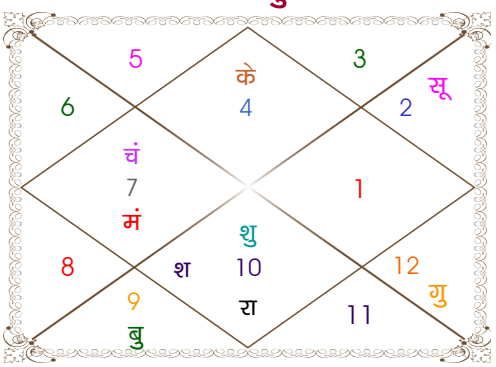

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 7 वर्ष 0 मास 15 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/10/1976		17/10/1983		17/10/1989		17/10/1999		17/10/2006	
17/10/1983		17/10/1989		17/10/1999		17/10/2006		17/10/2024	
	00/00/0000	सूर्य	04/02/1984	चंद्र	17/08/1990	मंगल	14/03/2000	राहु	29/06/2009
	00/00/0000	चंद्र	04/08/1984	मंगल	18/03/1991	राहु	02/04/2001	गुरु	23/11/2011
	00/00/0000	मंगल	10/12/1984	राहु	16/09/1992	गुरु	09/03/2002	शनि	29/09/2014
	00/00/0000	राहु	04/11/1985	गुरु	16/01/1994	शनि	18/04/2003	बुध	17/04/2017
	00/00/0000	गुरु	23/08/1986	शनि	17/08/1995	बुध	14/04/2004	केतु	06/05/2018
	01/10/1976	शनि	05/08/1987	बुध	16/01/1997	केतु	10/09/2004	शुक्र	05/05/2021
शनि	17/10/1979	बुध	11/06/1988	केतु	17/08/1997	शुक्र	10/11/2005	सूर्य	30/03/2022
बुध	17/08/1982	केतु	17/10/1988	शुक्र	18/04/1999	सूर्य	18/03/2006	चंद्र	29/09/2023
केतु	17/10/1983	शुक्र	17/10/1989	सूर्य	17/10/1999	चंद्र	17/10/2006	मंगल	17/10/2024

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/10/2024		17/10/2040		17/10/2059		17/10/2076		17/10/2083	
17/10/2040		17/10/2059		17/10/2076		17/10/2083		00/00/0000	
गुरु	05/12/2026	शनि	20/10/2043	बुध	15/03/2062	केतु	15/03/2077	शुक्र	16/02/2087
शनि	17/06/2029	बुध	29/06/2046	केतु	12/03/2063	शुक्र	15/05/2078	सूर्य	16/02/2088
बुध	23/09/2031	केतु	08/08/2047	शुक्र	10/01/2066	सूर्य	20/09/2078	चंद्र	17/10/2089
केतु	29/08/2032	शुक्र	08/10/2050	सूर्य	16/11/2066	चंद्र	21/04/2079	मंगल	17/12/2090
शुक्र	30/04/2035	सूर्य	20/09/2051	चंद्र	17/04/2068	मंगल	17/09/2079	राहु	17/12/2093
सूर्य	16/02/2036	चंद्र	20/04/2053	मंगल	14/04/2069	राहु	04/10/2080	गुरु	17/08/2096
चंद्र	17/06/2037	मंगल	30/05/2054	राहु	01/11/2071	गुरु	10/09/2081	शनि	01/10/2096
मंगल	24/05/2038	राहु	05/04/2057	गुरु	06/02/2074	शनि	20/10/2082		00/00/0000
राहु	17/10/2040	गुरु	17/10/2059	शनि	17/10/2076	बुध	17/10/2083		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 7 वर्ष 1 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।